

सौ सौ सूरमा का बीच में अकेलो बालाजी भजन लिरिक्स



अकेला बालाजी अकेलो बजरंगी,
सौ सौ सूरमा का बीच में,
अकेलो बालाजी IbdI

रामचंद्र से आज्ञा पाकर,
गढ़ लंका में जावे,
माता सीता का पता लगाकर,
भारी उदम मचावे,
सो सो सूरमा का बीच में,
अकेलो बालाजी IbdI

मेघनाथ तो बाला ने,
बांध सभा में लावे,
रावण का दरबार में बालों,
मन ही मन मुस्कावे,
सो सो सूरमा का बीच में,
अकेलो बालाजी IbdI

बड़ा बड़ा यह सूरवीर जो,
रावण ने समझावे,
पूंछ में आग लगाकर बालों,
लंका ने जलावे,
सो सो सूरमा का बीच में,
अकेलो बालाजी IbdI

रामदूत बजरंगबली का,
भक्त मंडल जस गावे,
निज चरणों में चाकर राखो,
चरणों में सुख पावे,
सो सो सूरमा का बीच में,
अकेलो बालाजी IbdI



अकेला बालाजी अकेलो बजरंगी,
सौ सौ सूरमा का बीच में,
अकेलो बालाजी Ibd।

गायक / प्रेषक – रतन लाल जाट।
8949062973
